

साप्ताहिक

# कोबरा डॉट कोम

वर्ष : 17 अंक : 34

भोपाल गुरुवार 17 सितंबर 2026

पृष्ठ : 8 मूल्य : 2 रुपये

झाबुआ में छह वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म का आरोप, घुमाने के बहाने सुनसान खेत ले गया मुंह बोला भाई

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

झाबुआ। काकनवानी थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम छह वर्षीय मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म की सनसनीखेज वारदात सामने आई। आरोप है कि 19 वर्षीय युवक रिश्ते में मुंह बोली बहन लगने वाली बालिका को घुमाने का झांसा देकर बहला-फुसलाकर सुनसान खेत की ओर ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। जानकारी के अनुसार सोमवार देर शाम छह वर्षीय बालिका अपने घर के आंगन में खेल रही थी। इसी दौरान 19 वर्षीय युवक वहां पहुंचा और उसे घुमाने का झांसा देकर अपने साथ घर से दूर सुनसान खेत की ओर ले गया। आरोप है कि वहां उसने बालिका के साथ दुष्कर्म किया। वारदात के बाद आरोपित बालिका को वापस उसके घर के पास छोड़कर चला गया। घटना से डरी-सहमी बालिका ने रोते हुए परिजनों को आपबीती बताई। इसके बाद परिजन तत्काल बालिका को लेकर काकनवानी थाने पहुंचे। थाना प्रभारी नेहा बिरला ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की और बालिका को मेडिकल परीक्षण के लिए थांदला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। पुलिस के अनुसार मेडिकल परीक्षण के बाद प्राप्त रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि हुई।

ग्वालियर में लंपी वायरस का कहर जारी, विभाग अब दिन की जगह रात में करेगा टीकाकरण, अब तक 45 गावों की मौत

ग्वालियर। शहर सहित जिलेभर में संदिग्ध लंपी वायरस के संक्रमण में गोवंश तेजी से आ रहे हैं। विभाग गोवंश का टीकाकरण भी तेजी से करा रहा है। बावजूद इसके संक्रमण नियंत्रण में नहीं आ रहा है। ऐसे में अब विभाग ने निराश्रित गोवंश के टीकाकरण की रणनीति में बदलाव किया है। अब विभाग की टीमों न केवल शाम व रात को टीकाकरण करेंगी, बल्कि गोसेवा करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी वैक्सीनेशन करना सिखाकर उन्हें वैक्सीन देगा। जिससे वे भी अपने अपने क्षेत्र के निराश्रित गोवंश का टीकाकरण कर सकें। अब तक संभाग में 45 गावों की मौत हो चुकी है।

ग्वालियर-झांसी हाईवे पर रंगता मिला 10 फीट का अजगर, इलाके में फैली दहशत, वन विभाग को दी जानकारी

दतिया।

ग्वालियर-झांसी

हाईवे पर अजगर दिखाई देने से वहां दहशत फैल गई।



ग्वालियर-झांसी

हाईवे पर अब्बास के ढाबे के सामने करीब 10 फीट लंबा अजगर बीच सड़क पर पहुंच गया। अजगर को देखने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लेकिन उसे पकड़ा नहीं जा सका। लोगों ने वन विभाग की टीम से अजगर को सुरक्षित पकड़ने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अजगर को जल्दी से जल्दी पकड़ा जाए इससे बच्चों में डर पैदा हो गया है। वन विभाग को जानकारी दे दी गई है। इससे पहले मुरैना जिले के अंबाह कस्बे के किशनपुरा के बंबा के पास सोमवार की रात को सड़क पार कर रहे अजगर को सर्पमित्र बृजेश ने देखा। सड़क पर वाहनों की आवाजाही के कारण अजगर की जान को खतरा देखते हुए बृजेश ने उसे पकड़कर बोरी में सुरक्षित रख दिया। उन्होंने सोचा था कि सुबह वन विभाग को सूचना देकर अजगर को सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया जाएगा। लेकिन रात में ही अजगर बोरी से निकलकर पास खड़ी एक कार के इंजन में जा घुसा। सुबह कार में परेशानी आने पर मिस्त्री को बुलाया गया। गाड़ी के हिस्से खोलने पर इंजन में लगभग 10 से 12 फीट का अजगर दिखाई दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया वर्चुअली संबोधित

## इंदौर बन रहा है मध्यभारत की टेक केपिटल : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इन्फोसिस के न्यू स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट ब्लाक का हुआ शुभारंभ

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

भोपाल, जसं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर शहर प्रदेश की आर्थिक राजधानी के साथ अब मध्यभारत की टेक केपिटल बनने की ओर अग्रसर है। इंदौर के पास पैशन, प्रोफेशन और पोटेंशियल की विशेषताओं की अद्भुत त्रिवेणी है। इंदौर का अर्थ इनोवेशन, न्यू एज स्किल्स, डिजिटल ट्रांसफार्मेशन अपॉर्च्युनिटीज, रिलायबल और एंटरप्रेन्योरशिप हो गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवाससे इन्फोसिस प्रतिष्ठान द्वारा इंदौर में विकसित नए परिसर का वर्चुअली लोकार्पण कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर, हर दौर में ज़रूरत के अनुसार नवाचार अवश्य करता है। इंदौर में विश्व स्तरीय अधोसंरचना के साथ दक्ष वर्कफोर्स उपलब्ध है। यह शहर टेस्ट से लेकर टेक्नोलॉजी का ब्रांड एम्बेसडर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान इंदौर को कौशल, आधुनिक तकनीक और ज्ञान की नई सौगात मिल रही है। अग्रणी आईटी कंपनी इन्फोसिस कंपनी के न्यू स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट ब्लॉक का शुभारंभ एक विशेष उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि



प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सक्षम नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह भारत का स्वर्णिम समय है। अमेरिका जैसे देश भारत की निर्वाचन संस्था को आदर्श मानते हैं। वैश्विक उथल-पुथल के दौर में भारत प्रशिक्षित युवाओं की फौज के साथ दुनिया का युवा देश बना है। पर्यावरण रक्षा और नई तकनीक को अपनाने के कार्यों के साथ सेमीकंडक्टर मिशन, एआई मिशन और राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड जैसे अनेक नए मिशन भारत की प्रतिष्ठा में वृद्धि का माध्यम बने हैं। युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिला है।

मध्यप्रदेश ने अपनाई तकनीक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश टेक्नोलॉजी, डिजिटल इनोवेशन और नॉलेज बेस्ड इकोनॉमी का केंद्र बन रहा है। प्रदेश में सेमीकंडक्टर पॉलिंसी-2025

लागू की गई है। इंदौर में जहां आईआईटी, आईआईएम और आईटी पार्क हैं, वहीं उज्जैन को देश की अग्रणी साइंस सिटी और भोपाल को नॉलेज एंड एआई सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने धार जिले में पीएम मित्र पार्क की बुनियाद रखी जहां 2 हजार एकड़ से अधिक क्षेत्र में विभिन्न इकाइयां अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग कर विकास के नए द्वार खोलेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इन्फोसिस पदाधिकारियों को नए परिसर के विकास के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रदेश में तकनीकी क्षेत्र में रोजगार एवं निवेश के नए अवसरों को मिलेगा बढ़ावा

इंदौर में इंफोसिस की विस्तारित सुविधा

से प्रदेश में तकनीकी क्षेत्र में रोजगार एवं निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। इंदौर में कंपनी के 3,300 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। विस्तारित कैंपस में 5,000 से अधिक सीटें हैं, जो हाइब्रिड कार्यप्रणाली के तहत लगभग 7,000 कर्मचारियों की क्षमता को पूरा करेंगी। केंद्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड टेक्नोलॉजी, साइबर सुरक्षा एवं एप्लीकेशन डेवलपमेंट जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में कार्य होगा। इससे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के साथ स्थानीय व्यवसायों और सेवाओं को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इससे मध्यप्रदेश में डिजिटल नवाचार, एआई और ज्ञान आधारित उद्योगों को बढ़ावा मिलने के साथ उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों और सरकार के बीच सहयोग से कुशल तकनीकी मानव संसाधन तैयार करने को भी गति मिलेगी।

स्वामित्व योजना:

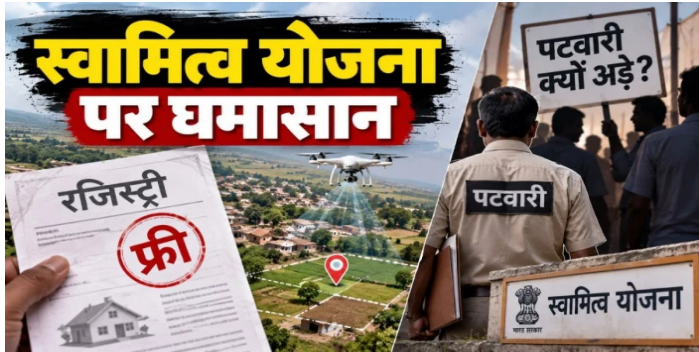
## 50 लाख परिवारों की फ्री रजिस्ट्री की इनसाइड स्टोरी, एक तरफ जश्न का माहौल, तो दूसरी तरफ पटवारियों का विरोध

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

इंदौर। मध्य प्रदेश में अब पीढ़ियों से अपने मकान और आबादी भूमि पर रह रहे लोगों को मालिकाना हक का कानूनी दस्तावेज मिलने जा रहा है। 17 सितंबर यानी आज से राज्य में 'स्वामित्व योजना' के तहत लगभग 50 लाख निजी संपत्तियों की फ्री रजिस्ट्री की प्रक्रिया शुरू हो रही है। इस योजना का शुभारंभ इंदौर से भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में होगा।

क्या है स्वामित्व योजना और क्यों पड़ी इसकी जरूरत?

ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी भूमि पर बसे परिवारों के पास अक्सर संपत्ति का कोई रजिस्टर्ड कानूनी दस्तावेज नहीं होता था। इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र सरकार ने वर्ष 2020 में 'स्वामित्व योजना' की शुरुआत की। योजना के तहत गांवों की आबादी भूमि का ड्रोन सर्वे कर 'अधिकार अभिलेख' (प्रॉपर्टी कार्ड) तैयार किए गए। मध्य प्रदेश में अब तक 68.11 लाख अधिकार अभिलेख स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें 48.32 लाख रिकॉर्ड आम



नागरिकों की निजी संपत्तियों से संबंधित हैं। प्रॉपर्टी कार्ड और रजिस्ट्री में अंतर

प्रॉपर्टी कार्ड केवल यह प्रमाणित करता है कि सरकारी सर्वे में संबंधित व्यक्ति का नाम दर्ज है। इसके उलट, रजिस्ट्री एक पंजीकृत कानूनी दस्तावेज (Registered Conveyance Deed) होती है, जिससे कानूनी रूप से मालिकाना हक पूरी तरह पक्का होता है।

कैसे और किन्हें मिलेगा लाभ?

पात्र हितग्राहियों को स्टॉप ड्यूटी या पंजीयन शुल्क नहीं देना होगा। पूरी रजिस्ट्री

प्रक्रिया का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। नागरिकों को रजिस्ट्री कार्यालय (रजिस्ट्रार ऑफिस) जाने की आवश्यकता नहीं होगी। ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष शिविर आयोजित कर डीड तैयार की जाएगी। यह योजना केवल उन लोगों के लिए है जिनका नाम पूर्व में आयोजित 'स्वामित्व योजना' के सर्वे में स्वीकृत हो चुका है। फिलहाल कोई नया आवेदन जमा नहीं किया जा रहा है, बल्कि पुराने तैयार रिकॉर्ड को ही कानूनी रजिस्ट्री का रूप दिया जा रहा है। पक्की रजिस्ट्री के साथ-साथ हितग्राहियों को दस्तावेज की डिजिटल कॉपी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

पटवारी क्यों कर रहे हैं विरोध?

योजना के क्रियान्वयन को लेकर पटवारियों ने अपनी मुख्य आपत्तियों के साथ विरोध जताया है। पटवारियों का कहना है कि यदि भविष्य में खसरा, नक्शा या ड्रोन सर्वे की मैपिंग में कोई गड़बड़ी या सीमा विवाद सामने आता है, तो कानूनी उलझनों की जिम्मेदारी उन पर आ सकती है। इसके अलावा दस्तावेज में पटवारी को 'रजिस्ट्रीकर्ता' के रूप में नामांकित किए जाने को लेकर वे असहमत हैं। पटवारियों का तर्क है कि उनके पास भू-अभिलेखों के विवाद निपटाने या संशोधन करने की न्यायिक शक्तियां सीमित हैं, ऐसे में बिना स्पष्ट अधिकारों के उन पर अतिरिक्त कानूनी जिम्मेदारी डालना अनुचित है। कैबिनेट बैठक में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा द्वारा इस विषय को उठाए जाने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पष्ट किया है कि रजिस्ट्री की पूरी प्रक्रिया शासन के -दिशानिर्देशों के तहत हो रही है। अतः पटवारियों को किसी कानूनी कार्रवाई से डरने की जरूरत नहीं है, और जिला कलेक्टरों को पटवारियों से संवाद कर स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए हैं।

**खरगोन।** जिले से गुजर रहे मुंबई-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम मगरखेड़ी के पास शनिवार सुबह ट्रक-ट्राले की चपेट में आने से बाइक सवार युवती की मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा युवक घायल हो गया। हादसे में भूमि शर्मा (26) ट्रक के पहिए के नीचे दब गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घायल आशीष परमार को हाईवे एंबुलेंस से ठीकरी अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में युवती की शव ट्रक के नीचे फंस गया। सूचना मिलते ही बलकवाड़ा थाना प्रभारी सागर चौहान

**50 लाख से अधिक पढ़ेधारियों को पढ़े की निःशुल्क पक्की रजिस्ट्री कराकर देगी हमारी सरकार**

कोबरा डॉट कोम । न्यूज

कोबरा डॉट कोम | न्यूज

A large crowd of women, mostly dressed in red saris, are gathered for a protest. They are holding numerous placards with portraits of men and text in Hindi. The placards are held high, creating a sea of red and white. The background shows a large open area with more people and some structures in the distance.

कोबरा डॉट कोम | न्यूज



# “तुम महाभारत का क्या अर्थ जानते हो..?”

शास्त्र कहते हैं कि अठारह दिनों के महाभारत युद्ध में उस समय की पुरुष जनसंख्या का 80% सफाया हो गया था। युद्ध के अंत में, संजय कुरुक्षेत्र के उस स्थान पर गए जहां संसार का सबसे महानतम युद्ध हुआ था। उसने इधर-उधर देखा और सोचने लगा कि क्या वास्तव में यहीं युद्ध हुआ था? यदि यहां युद्ध हुआ था तो जहां वो खड़ा है, वहां की जमीन रक्त से सराबोर होनी चाहिए। तथा वो आज उसी जगह पर खड़ा है जहां महान पांडव और कृष्ण खड़े थे? तभी एक वृद्ध व्यक्ति ने वहां आकर धीमे और शांत स्वर में कहा, “आप उस बारे में सच्चाई कभी नहीं जान पाएंगे!”

कोबरा डॉट कॉम | न्यूज़

संजय ने धूल के बड़े से गुबार के बीच दिखाई देने वाले भगवा वस्त्रधारी एक वृद्ध व्यक्ति को देखने के लिए उस ओर सिर को घुमाया। “मुझे पता है कि आप कुरुक्षेत्र युद्ध के बारे में पता लगाने के लिए यहां हैं, लेकिन आप उस युद्ध के बारे में तब तक नहीं जान

सकते, जब तक आप ये नहीं जान लेते हैं कि असली युद्ध है क्या?” बूढ़े आदमी ने रहस्यमय ढंग से कहा।

“तुम महाभारत का क्या अर्थ जानते हो?” तब संजय ने उस रहस्यमय व्यक्ति से पूछा। वह कहने लगा, “महाभारत एक महाकाव्य है, एक गाथा है, एक वास्तविकता भी है, लेकिन निश्चित रूप से एक दर्शन भी है।” वृद्ध व्यक्ति संजय को और अधिक सवालों के चक्कर में फसा कर मुस्करा रहा था। “क्या आप मुझे बता सकते हैं कि दर्शन क्या है?” संजय ने निवेदन किया। अवश्य जानता हूं, बूढ़े आदमी ने कहना शुरू किया। पांडव कुछ और नहीं, बल्कि आपकी पाँच इंद्रियाँ हैं - दृष्टि, गंध, स्वाद, स्पर्श और श्रवण - और क्या आप जानते हैं कि कौरव क्या हैं? उसने अपनी आँखें संकीर्ण करते हुए पूछा। कौरव ऐसे सौ तरह के विकार हैं, जो आपकी इंद्रियों पर प्रतिदिन हमला करते हैं लेकिन आप उनसे लड़ सकते हैं और जीत भी सकते हैं। पर क्या आप जानते हैं कैसे? संजय ने फिर से न में सर हिला दिया। “जब कृष्ण आपके रथ की सवारी करते हैं!” यह कह वह वृद्ध व्यक्ति बड़े प्यार से मुस्कराया और संजय अंतर्दृष्टि खोलने पर जो नवीन रत्न प्राप्त हुआ उस पर विचार करने लगा.. “कृष्ण आपकी आंतरिक आवाज, आपकी आत्मा, आपका मार्गदर्शक प्रकाश हैं और यदि आप अपने जीवन को उनके हाथों में सौंप



देते हैं तो आपको फिर चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है।” वृद्ध आदमी ने कहा। संजय अब तक लगभग चेतन अवस्था में पहुंच गया था, लेकिन जल्दी से एक और सवाल लेकर आया। फिर कौरवों के लिए द्रोणाचार्य और भीष्म क्यों लड़ रहे हैं? भीष्म हमारे अहंकार का प्रतीक हैं, अश्वत्थामा हमारी वासनाएं, इच्छाएं हैं, जो कि जल्दी नहीं मरतीं। दुर्योधन हमारी सांसारिक वासनाओं, इच्छाओं का प्रतीक है। द्रोणाचार्य हमारे संस्कार हैं। जयद्रथ हमारे शरीर के प्रति राग का प्रतीक है कि ‘मैं ये देह हूँ’ का भाव। द्रुपद वैराग्य का प्रतीक हैं। अर्जुन मेरी आत्मा हैं, मैं ही अर्जुन हूँ और स्वनिर्यांत्रित भी हूँ। कृष्ण हमारे परमात्मा हैं। पांच पांडव पांच नीचे वाले चक्र भी हैं, मूलाधार से विशुद्ध चक्र तक। द्रोपदी कुंडलिनी शक्ति है, वह जागृत शक्ति है, जिसके ५ पति ५ चक्र हैं। ओम शब्द ही कृष्ण का पांचजन्य शंखनाद है, जो मुझ और आप आत्मा को ढाढ़स बंधाता है कि चिंता मत कर

मैं तेरे साथ हूँ, अपनी बुराइयों पर विजय पा, अपने निम्न विचारों, निम्न इच्छाओं, सांसारिक इच्छाओं, अपने आंतरिक शत्रुओं यानि कौरवों से लड़ाई कर अर्थात अपनी मेटेरियलिस्टिक वासनाओं को त्याग कर और चैतन्य पाठ पर आरुढ़ हो जा, विकार रूपी कौरव अधर्मी एवं दुष्ट प्रकृति के हैं। श्री कृष्ण का साथ होते ही ७२००० नाड़ियों में भगवान की चैतन्य शक्ति भर जाती है, और हमें पता चल जाता है कि मैं चैतन्यता, आत्मा, जागृति हूँ, मैं अन्न से बना शरीर नहीं हूँ, इसलिए उठो जागो और अपने आपको, अपनी आत्मा को, अपने स्वयं सच को जानो, भगवान को पाओ, यही भगवद प्राप्ति या आत्म साक्षात्कार है, यही इस मानव जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य है। ये शरीर ही धर्म क्षेत्र, कुरुक्षेत्र है। धृतराष्ट्र अज्ञान से अंधा हुआ मन है। अर्जुन आप हो, संजय आपके आध्यात्मिक गुरु हैं। वृद्ध आदमी ने दुःखी भाव के साथ सिर हिलाया और कहा, “जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, अपने बड़ों के प्रति आपकी धारणा बदल जाती है। जिन बुजुर्गों के बारे में आपने सोचा था कि आपके बड़ते वर्षों में वे संपूर्ण थे, अब आपको लगता है वे सभी परिपूर्ण नहीं हैं। उनमें दोष हैं। और एक दिन आपको यह तय करना होगा कि उनका व्यवहार आपके लिए अच्छा या बुरा है। तब आपको यह भी अहसास हो सकता है कि आपको अपनी भलाई के लिए उनका विरोध करना या लड़ना भी पड़ सकता है। यह बड़ा होने का सबसे कठिन हिस्सा है और यही वजह है कि गीता महत्वपूर्ण है।” संजय धरती पर बैठ गया, इसलिए नहीं

कि वह थका हुआ था, तक गया था, बल्कि इसलिए कि वह जो समझ लेकर यहां आया था, वो एक-एक कर धराशाई हो रही थी। लेकिन फिर भी उसने लगभग फुसफुसाते हुए एक और प्रश्न पूछा, तब कर्ण के बारे में आपका क्या कहना है? “आह!” वृद्ध ने कहा। आपने अंत के लिए सबसे अच्छा प्रश्न बचाकर रखा हुआ है। “कर्ण आपकी इंद्रियों का भाई है। वह इच्छा है। वह सांसारिक सुख के प्रति आपके राग का प्रतीक है। वह आप का ही एक हिस्सा है, लेकिन वह अपने प्रति अन्याय महसूस करता है और आपके विरोधी विकारों के साथ खड़ा दिखता है। और हर समय विकारों के विचारों के साथ खड़े रहने के कोई न कोई कारण और बहाना बनाता रहता है।” “क्या आपकी इच्छा; आपको विकारों के वशीभूत होकर उनमें बह जाने या अपनाने के लिए प्रेरित नहीं करती रहती है?” वृद्ध ने संजय से पूछा। संजय ने स्वीकारोक्ति में सिर हिलाया और भूमि की तरफ सिर करके सारी विचार श्रंखलाओं को क्रमबद्ध कर मस्तिष्क में बैठाने का प्रयास करने लगा। और जब उसने अपने सिर को ऊपर उठाया, वह वृद्ध व्यक्ति धूल के गुबारों के मध्य कहीं विलीन हो चुका था। लेकिन जाने से पहले वह जीवन की वो दिशा एवं दर्शन दे गया था, जिसे आत्मसात करने के अतिरिक्त संजय के सामने अब कोई अन्य मार्ग नहीं बचा था। बहुत गहरा जीवन दर्शन इसमें छुपा है अवश्य ही पढ़ना ओर मनन करना।

# 14 से 20 सितंबर तक के सप्ताह का साप्ताहिक राशिफल

|         |  |
|---------|--|
| मेष     |  |
| कर्क    |  |
| तुला    |  |
| मकर     |  |
| वृषभ    |  |
| सिंह    |  |
| वृश्चिक |  |
| कुंभ    |  |
| मिथुन   |  |
| कन्या   |  |
| धनु     |  |
| मीन     |  |

आई अब मैं आपको 14 सितंबर से 20 सितंबर 2026 तक के सप्ताह के राशिफल के बारे में बताऊंगा। परंतु राशिफल के पहले मैं आपको इस सप्ताह में ग्रहों के गोचर के बारे में पूरी जानकारी दूंगा। इस सप्ताह गुरु कर्क राशि में, शुक्र तुला राशि में, बुध कन्या राशि में, वक्री शनि मीन राशि में और राहु कुंभ राशि में गोचर करेंगे। सूर्य प्रारंभ में सिंह राशि में रहेगा तथा 17 तारीख के 11.37 रात से वह कन्या राशि में प्रवेश करेगा। मंगल देव प्रारंभ में मिथुन राशि में रहेंगे तथा 18 तारीख की दिन के 3-03 से कर्क राशि में गोचर करेंगे। आइए अब राशिवार राशिफल की चर्चा करते हैं।

**मेष राशि**  
इस सप्ताह आपके प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अगर आप अविवाहित हैं तो विवाह के सुंदर-सुंदर प्रस्ताव आएंगे। अगर विंशोत्री दशा ठीक है तो आपका विवाह तय भी हो सकता है। आपको अपने संतान से लाभ प्राप्त हो सकता है। आपके व्यापारी प्रतिद्वंदी आपका नुकसान करने का प्रयास कर सकते हैं परंतु सफल नहीं होंगे। भाग्य से मामूली लाभ मिल सकता है। अधिकारी और कर्मचारियों के लिए यह सप्ताह ठीक रहेगा। इस सप्ताह आपके लिए 14 और 15 तारीख विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए उपयोगी है। सप्ताह के बाकी दिन भी ठीक-ठाक हैं। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन राम रक्षा स्त्रोत का पाठ करें। सप्ताह का शुभ दिन मंगलवार है।

**वृष राशि**  
इस सप्ताह आपका अपने भाई बहनों से संबंध ठीक रहेगा। आपको अपने संतान से अच्छे सहयोग प्राप्त होगा। छात्रों को परीक्षाओं में सफलता प्राप्त होगी। व्यापारियों का

व्यापार भी ठीक चलेगा। भाग्य के कारण आपको सफलता मिल सकती है। दुर्घटनाओं से नुकसान नहीं होगा। शत्रुओं से सावधान रहने की आवश्यकता है। इस सप्ताह आपको थोड़ा सावधान रहकर कार्यों को करना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें। सप्ताह का शुभ दिन शनिवार है।

**मिथुन राशि**  
यह सप्ताह आपके संतान के लिए उत्तम रहेगा। आपके प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापारियों का व्यापार अच्छा चलेगा। छात्रों को सफलताएं प्राप्त होगी। भाई बहनों के साथ संबंध ठीक रहेंगे। धन आने की संभावना है। कर्मचारी और अधिकारियों को इस सप्ताह थोड़ा सावधान रहकर कार्यों को करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों के लिए यह सप्ताह अच्छा रहेगा। भाग्य के स्थान पर इस सप्ताह आपको अपने कर्म पर विश्वास करना चाहिए। इस सप्ताह आपके लिए 19 और 20 तारीख सफलता प्राप्त करने के लिए मददगार हैं। 16, 17 और 18 को आपको कचहरी के कार्यों में प्रयास करने पर सफलता प्राप्त हो सकती है। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन काले कुत्ते को तंदूर की रोटी खिलाएं। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

**कर्क राशि**  
इस सप्ताह आपके पास धन आने की संभावना है। कचहरी के कार्यों में इस सप्ताह आपको कोई रिस्क नहीं लेना चाहिए। इस सप्ताह आपको भाग्य के स्थान पर अपने कर्मों पर विश्वास करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों के लिए यह सप्ताह काफी अच्छा रहेगा। आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई बहनों के साथ संबंध ठीक रहेंगे। इस सप्ताह आपके लिए 14, 15 और 16 तारीख लाभदायक है। 19 और 20 तारीख को आपको अपने कार्यों के प्रति सचेत रहना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन काले उड़द का दान करें और शनिवार को शनि मंदिर में जाकर शनि देव का पूजन करें। सप्ताह का शुभ दिन सोमवार है।

**सिंह राशि**  
आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में कोई अच्छा कार्य होगा जिसमें काफी धन व्यय हो सकता है। धन लाभ होने की पूर्ण संभावना है। प्रयास करें। व्यापारियों के लिए यह सप्ताह काफी अच्छा रहेगा। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस सप्ताह थोड़ा सतर्क रहकर कार्य करना चाहिए। उनको सफलताएं मिलेंगी।



भाग्य से कोई विशेष आशा नहीं रखना चाहिए। कर्म पर विश्वास करना चाहिए। इस सप्ताह आप अपने शत्रुओं को बड़े आसानी से थोड़े ही प्रयास से पराजित कर सकते हैं। इस सप्ताह आपके लिए 19 और 20 तारीख उपयोगी है। 16, 17 और 18 को आपको थोड़ा सतर्क रहकर अपने कार्यों को करना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन चावल का दान करें और शुक्रवार को मंदिर में जाकर पुजारी जी को सफेद वस्तुओं का दान दें। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

**कन्या राशि**  
यह सप्ताह सामान्यतः आपके लिए अच्छा रह सकता है। व्यापारियों के लिए यह सप्ताह अच्छा फल देने वाला होगा। धन की प्राप्ति होगी। व्यापार में लाभ होगा। अधिकारी और कर्मचारियों को इस सप्ताह सतर्क रहकर अपने कार्यों को करना चाहिए। इस सप्ताह आपको थोड़ा मानसिक तनाव हो सकता है। इस सप्ताह आपको अपने संतान से थोड़ी मदद मिल सकती है। कचहरी के कार्यों में सफलता प्राप्त हो सकती है। इस सप्ताह आपके लिए 19 और 20 तारीख फलदायक है। 16, 17 और 18 तारीख को आपका अपने भाइयों के साथ संबंध थोड़ा ठीक हो सकता है। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें एवं शनिवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर कम से कम तीन बार हनुमान चालीसा का वाचन करें। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

**तुला राशि**  
यह सप्ताह आपके लिए ठीक रहेगा। अविवाहित जातकों को विवाह के प्रस्ताव प्राप्त होंगे। कर्मचारी एवं अधिकारियों के लिए सप्ताह अच्छा रहेगा। उनको अपने कार्यालय में प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। कचहरी के कार्यों में सावधानीपूर्वक धन व्यय करने पर सफलता प्राप्त हो सकती है। भाग्य के स्थान पर इस सप्ताह आप को कर्म पर विश्वास करना चाहिए। इस सप्ताह आपके लिए 14 और 15 तारीख

की दोपहर तक का समय विभिन्न प्रकार के कार्यों को करने के लिए अनुकूल है। 16 तारीख के दोपहर से 17 और 18 तारीख को आपको धन के मामले में सतर्क रहना चाहिए अन्यथा आपका धन बर्बाद हो सकता है। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें एवं मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर विशेष रूप से हनुमान चालीसा का तीन बार वाचन करें। सप्ताह का शुभ दिन शनिवार है।

**वृश्चिक राशि**  
इस सप्ताह आपके पास धन आने का अच्छा योग है। अगर आप प्रयास करें तो आपको अपने व्यापार में बहुत अच्छा लाभ होगा। सामान्य तौर पर व्यापारियों को इस सप्ताह लाभ प्राप्त होगा। भाग्य से भी आपको मदद मिलेगी।? अधिकारी एवं कर्मचारियों को कार्यालय में सावधान रहकर कार्य करना चाहिए। दुर्घटनाओं से बचने का प्रयास करना चाहिए। इस सप्ताह आपके लिए 19 और 20 तारीख कार्यों को करने हेतु परिणाम दायक हैं। सप्ताह के बाकी दिनों में आपको सावधानी पूर्वक, सचेत रहकर अपने कार्यों को करना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन रुद्राष्टक का पाठ करें। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

**धनु राशि**  
यह सप्ताह अधिकारी और कर्मचारियों के लिए बहुत उत्तम है। उनको अपने कार्यालय में प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। धन लाभ भी होगा। व्यापारियों के लिए भी यह सप्ताह ठीक है। भाई बहनों के साथ संबंध सामान्य रहेंगे। लंबी यात्रा का योग बन सकता है। इस सप्ताह आपके लिए 19 और 20 तारीख शुभ और लाभप्रद हैं। 16, 17 और 18 को कचहरी के कार्यों में अधिक प्रयासों के बाद सफलता मिल सकती है। सप्ताह के बाकी दिन ठीक-ठाक हैं। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन शिव पंचाक्षरी मंत्र का जाप करें। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

**मकर राशि**  
अधिकारी एवं कर्मचारियों के लिए सप्ताह बहुत अच्छा रहेगा। कार्यालय में उनको अपने साथियों से बहुत अच्छे सहयोग प्राप्त होगा। मकर राशि के जातकों को अपने भाग्य से इस सप्ताह काफी मदद मिल सकती है। गलत रास्ते से धन आने का योग है। भाई बहनों के साथ संबंध थोड़े खराब हो सकते हैं। अविवाहित जातकों के लिए विवाह के नए-नए संबंध प्राप्त हो सकते हैं। इस सप्ताह आपके लिए 14, 15 और 16 की दोपहर तक का समय प्रकाश से लाभप्रद है। 19 और 20 तारीख को आपको सतर्कता पूर्वक कार्यों को करना चाहिए। 16 की दोपहर

से लेकर 17 और 18 तारीख को आपको अपने धन के प्रति सावधान रहना चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन शिव पंचाक्षर स्त्रोत का पाठ करें। सप्ताह का शुभ दिन शुक्रवार है।

**कुंभ राशि**  
इस सप्ताह भाग्य अद्भुत रूप से आपकी मदद करेगा। धन आने का भी योग बन सकता है। दुर्घटनाओं से आप बचेंगे। पेट पेट का अगर कोई रोग है तो उसमें आपको लाभ प्राप्त होगा। इस सप्ताह आपको अपने संतान से सहयोग नहीं मिल पाएगा। धन लाभ में कमी रहेगी। इस सप्ताह आपके लिए 14, 15, 18 19 और 20 तारीख ठीक-ठाक है। 16, 17 और 18 तारीख को आपके कार्यालय के कार्यों में बहुत सतर्कता बरतनी चाहिए। इस सप्ताह आपको चाहिए कि आप प्रतिदिन भगवान शिव का दूध और जल से अभिषेक करें। सप्ताह का शुभ दिन शनिवार है।

**मीन राशि**  
इस सप्ताह आपका व्यापार उत्तम गति से चलेगा।?व्यापार में आपको काफी लाभ प्राप्त हो सकता है। भाग्य से भी आपको मदद मिलेगी। दुर्घटनाओं से आपको सतर्क रहना चाहिए। इस सप्ताह आपको अपने संतान से अच्छी मदद मिल सकती है। व्यापारियों के लिए यह सप्ताह ठीक है। अधिकारियों को इस सप्ताह नुकसान हो सकता है। आपको अपने प्रतिष्ठा के प्रति इस सप्ताह सतर्क रहना चाहिए। इस सप्ताह आपके लिए 19 और 20 तारीख प्रभावशाली हैं। 14 और 15 तारीख को आपको सचेत रहना चाहिए। 16, 17 और 18 तारीख को आपको भाग्य के स्थान पर कर्म पर विश्वास करना चाहिए। परंतु इन तारीखों में आपको भाग्य से कोई बड़ा नुकसान नहीं होगा इस सप्ताह आपको चाहिए क्या प्रतिदिन गायत्री मंत्र का जाप करें। सप्ताह का शुभ दिन रविवार है।

ध्यान दें कि यह सामान्य भविष्यवाणी है। अगर आप व्यक्तिगत और सटीक भविष्यवाणी जानना चाहते हैं तो आपको मुझसे दूरभाष पर या व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर अपनी कुंडली का विश्लेषण करवाना चाहिए। मां शारदा से प्रार्थना है या आप सदैव स्वस्थ सुखी और संपन्न रहें।

# सागर जहरीली शराब कांड पर दिग्विजय सिंह का हमला, एसपी पर 50 लाख मासिक वसूली का आरोप; EOW जांच मांगी

कोबरा डॉट कोम ।न्यूज़

सागर। पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने रविवार को सागर के पुलिस अधीक्षक पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने पत्रकार वार्ता बुलाकर आरोप लगाया कि एसपी अनुराग सुजानिया हर महीने 50 लाख की वसूली कर रहे हैं। यदि यह आरोप प्रमाणित नहीं है तो एसपी उनके खिलाफ मानहानि का दावा कर सकते हैं। अवैध वसूली के आरोपों को वह अदालत में प्रमाणित कर देंगे।ईओडब्ल्यू से जांच कराने की मांग जहरीली शराब कांड के बाद सागर पहुंचे दिग्विजय सिंह ने शनिवार-रविवार को प्रभावित परिवारों और स्थानीय कांग्रेस नेताओं से मुलाकात के बाद शराब



माफिया को राजनीति, प्रशासनिक और पुलिस संरक्षण मिलने का आरोप लगाया। जहरीली शराब कांड के लिए इसी गठजोड़

को जिम्मेदार ठहराते हुए दिग्विजय ने कहा कि इससे पहले मुरैना जिले में जहरीली शराब से कई लोगों की मौत हुई। उस

वक्त वहां के एसपी अनुराग सुजानिया ही थे। सागर में उसी तरह की स्थितियों में मौतें हुईं और यहां भी एसपी वहीं हैं। उन्होंने एसपी सुजानिया को हटाकर उनकी जांच ईओडब्ल्यू से कराने की मांग की। इधर, एसपी सुजानिया ने इस पर कोई भी टिप्पणी देने से इन्कार किया है।

## न्यायिक जांच पर भी सवाल

दिग्विजय सिंह ने न्यायिक जांच पर भी सवाल उठाए। कहा कि जिन अधिकारियों या एजेंसियों से जांच कराई जा रही है, उन पर उन्हें भरोसा नहीं है। जब भी लीपापोती करना होती है, जो न्यायिक जांच बैठा दी जाती है। व्यापम मामले में भी इन्हीं को जांच करने के लिए बुलाया गया था और अब शराब कांड के लिए भी इन्हीं को बुलाया

लिया है। दिग्विजय ने शराब कारोबारियों और राजनीतिज्ञों के बीच संबंधों की जांच की मांग की।

## चार प्रभावित परिवारों को गोद लेने की घोषणा

दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार ने अभी तक पीड़ितों को मुआवजा नहीं दिया। सरकार ने अभी यह तक नहीं बताया कि कब तक और कितना मुआवजा दिया जाएगा। दिग्विजय ने मृतक भोला अहिरवार, राम स्वरूप अहिरवार, भोपाली आदिवासी और धन सिंह अहिरवार के परिवार को गोद लेने की घोषणा की। कहा कि वह परिवार को 10 हजार रुपये प्रतिमाह देंगे और बच्चों की पढ़ाई की जिम्मेदारी उठाएंगे।

## डिंडौरी में 19.25 लाख बोरर कीट जलाएगा वन विभाग, चार डीएफओ की मौजूदगी में होगी कार्रवाई



डिंडौरी। जिले में साल प्रजाति के पेड़ों के दुश्मन माने जाने वाले 19 लाख 25 हजार 118 साल बोरर कीटों का अब तक संग्रहण किया जा चुका है, जिन्हें आठ संग्रहण केंद्रों में सुरक्षित रखा गया है।पारदर्शिता के साथ होगा दहन अब इनके खात्मे की प्रक्रिया शुरू की गई है। 24 सितंबर को डिंडौरी-मंडला जिलों के चार डीएफओ की मौजूदगी में पूरी पारदर्शिता के साथ इन कीटों को जलाया जाएगा। दरअसल, साल बोरर कीट पेड़ के तने में छेद कर उसे खोखला कर देते

हैं, जिससे पेड़ सूखने लगता है।

## एक लाख से ज्यादा पेड़ चिन्हित

डिंडौरी जिले में ऐसे एक लाख 46 हजार 784 पेड़ चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें काटने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। विभाग ने ग्रामीणों को पारिश्रमिक देकर इन कीटों का भी संग्रहण कराया है। वन मंडल अधिकारी अशोक सोलंकी ने बताया कि ग्रामीणों को प्रति कीट दो रुपये के हिसाब से लगभग 40 लाख रुपये का भुगतान किया गया है।

## रीवा सांसद का कांग्रेस विधायक पर पलटवार, बोले- अभय मिश्रा यौन विकृतियों से पीड़ित, पॉकेटमारी से शुरू किया था बिजनेस

रीवा। संजय गांधी मेडिकल कॉलेज के मुर्दाघर में महिलाओं के शवों के साथ दुष्कर्म के सेमरिया विधानसभा से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा के सनसनीखेज आरोप के बाद रीवा की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस विधायक के इस बयान पर अब रीवा के भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा ने तीखा और बेहद निजी हमला बोला है। सांसद ने विधायक अभय मिश्रा को यौन विकृतियों से पीड़ित तक बता दिया। सांसद ने कहा कि बिना सिर-पैर इस तरह की बात कोई सामान्य मानसिकता वाला व्यक्ति सोच भी नहीं सकता।

उन्होंने कहा कि संजय गांधी अस्पताल जैसे प्रतिष्ठित संस्थान पर बिना साक्ष्य के इस तरह का अनर्गल आरोप लगाना पूरे चिकित्सकीय स्टाफ का अपमान है और इससे रीवा की छवि खराब होती है।

डिप्टी सीएम के पिता पर की गई टिप्पणी पर पलटवार : इससे पहले कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा ने डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल के पिता स्वर्गीय भैयालाल शुक्ल के व्यवसाय को लेकर टिप्पणी की थी। इस पर पलटवार करते हुए सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा



कि स्वर्गीय भैयालाल शुक्ल यदि कोई व्यवसाय करते भी थे तो वह ईमानदारी का व्यवसाय था। इसी दौरान सांसद ने विधायक अभय मिश्रा के अतीत को लेकर भी बड़े आरोप लगाए। कहा कि विधायक अभय मिश्रा ने वाहनों की स्टपनी चोरी करके और स्टेट बैंक में पॉकेटमारी कर अपना कारोबार शुरू किया था। सांसद ने दावा किया कि एक समय कोतवाली में जिस तरह अपराधियों की फोटो स्लेट लेकर लगाई जाती थी, उसी तरह लंबे समय तक अभय मिश्रा की फोटो भी लगी रहती थी। अब यहां तक पहुंचे हैं, तो अशोभनीय बातें कर रहे हैं।

## ‘दायीं सूंड’ वाले दुर्लभ गणेशजी का अलौकिक धाम: 250 साल पुराना इतिहास और वटवृक्ष पर उभरी स्वयं भू-आकृति

कोबरा डॉट कोम ।न्यूज़

नरसिंहपुर। जिला मुख्यालय का श्री गणेश देवस्थानम् अपनी पौराणिक मान्यताओं, अलौकिक चमत्कारों और 250 साल पुराने इतिहास के कारण पूरे प्रदेश और देश में आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। प्राकृतिक हरियाली और खेत-खलिहानों के बीच स्थित होने के कारण स्थानीय लोग इसे ‘शक्ति वाले बगीचा’ के नाम से भी पुकारते हैं।मान्यता है कि यहां जो भी भक्त सच्चे मन से अपनी मन्नत लेकर आता है, प्रथम पूज्य उनकी मनोकामना जरूर पूरी करते हैं। यही वजह है कि माघ माह की तिल चतुर्थी पर यहां विशाल मेला लगता ही है, साथ ही महाशिवरात्रि और आम दिनों में भी देश भर से श्रद्धालु ‘मन्नतपूर्ति के द्वार’ पर माथा टेकने पहुंचते हैं।

## दायीं सूंड की दुर्लभ प्रतिमा और बरगद के तने का चमत्कार

देशभर के मंदिरों में स्थापित अधिकांश गणेश प्रतिमाओं की सूंड बायीं ओर होती है, लेकिन किसानों की वार्ड स्थित इस शक्तिपीठ की सबसे बड़ी खासियत यहां विराजित दायींवर्ती सूंड वाली प्रतिमा है।

## तेजस्वी स्वरूप

सफेद संगमरमर से निर्मित पूर्व मुखी यह प्रतिमा अत्यंत दुर्लभ, शांत, मनोहारी और सिद्ध फल देने वाली मानी जाती है।

## वटवृक्ष पर प्राकृतिक एकदंत आकृति

देवस्थानम् परिसर में स्थित लगभग ढाई सौ साल पुराने विशालकाय वटवृक्ष (बरगद) के तने पर प्राकृतिक रूप से उभरी एकदंत श्री गणेश की आकृति हर दर्शनार्थी को अचरज में डाल देती है। यह अलौकिक उपस्थिति भक्तों को विश्वास दिलाती है कि यहाँ प्रकृति में भी गणपति विराजमान हैं।

## सिंदूर और चोला चढ़ाने की परंपरा



यहां प्रतिमा पर सिंदूर और चोला अर्पित करने का विशेष महत्व है। मान्यता है कि इस विशेष पूजा से श्रद्धालुओं के बड़े से बड़े विघ्न दूर हो जाते हैं।

## सन 1781 का इतिहास: जब ‘विघ्नहर्ता’ ने बदला अपना धाम

इतिहास और जनश्रुतियों के अनुसार, सन 1781 में नरसिंहपुर के एक जाट सरदार ने क्षेत्र में एक विशाल मंदिर का निर्माण शुरू कराया था।

## तीन भागों में विभाजित था मूल मंदिर

पुरातन योजना के अनुसार, जाट सरदार द्वारा बनाए जा रहे मंदिर को तीन हिस्सों में बांटा गया था- मध्य में नरसिंह भगवान, दाहिने भाग में भगवान शिव और बायीं ओर श्री गणेशजी की प्रतिमा स्थापित की जानी थी।

## अस्थायी स्थापना से बना स्थायी स्थल

निर्माण कार्य पूरा होने तक गणेश प्रतिमा को पास के कार्यशाली बगीचे में एक छोटे मंदिर में रखवाया गया। जब मूल मंदिर बनकर तैयार हुआ, तो सरदार प्रतिमा को वहां ले जाने लगे।

## सपने में मिला ईश्वर का संदेश

कहा जाता है कि श्री गणेश ने जाट सरदार को स्वप्न में दर्शन देकर बगीचे वाले स्थान को न छोड़ने का निर्देश दिया। सरदार

ने इसे भगवान की इच्छा मानकर अपना निर्णय बदल दिया और प्रतिमा वहीं स्थापित रहने दी।

## 127 वर्षों बाद पुरोहित परिवार ने कराया भव्य जीर्णोद्धार

लंबी अवधि तक लघु स्वरूप में पूजा-अर्चना के बाद, 1990 के दशक में इस पावन स्थल को विशाल और भव्य रूप देने का संकल्प स्वर्गीय पंडित कृष्णकुमार पुरोहित ने लिया।

## 27 जनवरी 1997 को हुआ पुनरुद्धार

वर्तमान में स्वर्गीय पंडित कृष्णकुमार पुरोहित के सुपुत्र पंडित सुशांत पुरोहित और पंडित शैलेश पुरोहित स्थानीय धर्मप्रेमी जनता के सहयोग से मंदिर का संचालन, सौंदर्यीकरण और धार्मिक परंपराओं का निर्वहन पूरी निष्ठा से कर रहे हैं।

## वृक्ष पर स्वयंभू आकृति:

मंदिर परिसर में एक विशाल प्राचीन वृक्ष (पीपल/वट) है, जिस पर पिछले कुछ वर्षों से भगवान गणेश की आँख, एक दाँत और सूंड की आकृति स्वतः उभरती हुई दिखाई दे रही है जिसे भक्तगण चमत्कार मानते हैं।

## मनोकामनाएं और ‘जोड़ियां’ बनाने का स्थान:

स्थानीय मान्यता है कि भगवान ने स्वयं इस स्थान को चुना था। ऐसा विश्वास है कि यहाँ सच्चे मन से प्रार्थना करने से विवाह योग्य जातकों के रिश्ते तय हो जाते हैं, बिछड़े हुए लोग मिल जाते हैं और संतान सुख की प्राप्ति होती है। मान्यता पूरी होने पर भक्तगण बप्पा की पीठ पर सिक्के चिपकाते हैं और छत्र अर्पित करते हैं।

## शक्ति वाला बगीचा:

प्राकृतिक हरियाली, खेत-खलिहानों और शांत वातावरण के बीच स्थित होने के कारण इस सिद्धपीठ को स्थानीय स्तर पर ‘शक्ति वाले बगीचा’ के नाम से भी पुकारा जाता है।

# भारत के इस मंदिर में विराजमान हैं दाईं सूंड वाले गणेश जी, चमत्कार सुनकर दूर-दूर से आते हैं भक्त

**कोबरा डॉट कोम ।न्यूज**

**नई दिल्ली।** गणेश चतुर्थी का पर्व आते ही मुंबई शहर का माहौल देखने लायक होता है। ये पूरा शहर और भी ज्यादा भक्ति से भर जाता है। इस मौके पर लोग अपने घरों में बप्पा के मूर्ति की स्थापना करते हैं। इसी आस्था के बीच एक ऐसा स्थान है, जहां हर दिन लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं और बप्पा का आशीर्वाद पाते हैं। ये जगह है मुंबई का फेमस सिद्धिविनायक मंदिर। ये मंदिर अपने आप में एक खास पहचान रखता है। आइए मंदिर से जुड़ी बातों को जानते हैं विस्तार से -

**भगवान गणेश का महत्व**

भगवान गणेश, जिन्हें सिद्धिविनायक भी कहा जाता है, विघ्नहर्ता और सफलता देने वाले माने जाते हैं। नए काम की शुरुआत हो, जीवन में कोई भी कठिनाइयां हों या फिर ज्ञान और बुद्धि की कामना हो, हर भक्त यहां आकर उनका आशीर्वाद लेते हैं। यहां आकर जो भी सच्चे मन से अपनी कोई भी इच्छा बप्पा के सामने रखता है, उसकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

**क्या है इतिहास?**

आपको बता दें कि सिद्धिविनायक मंदिर का निर्माण 18वीं शताब्दी में लक्ष्मण विठ्ठल पाटिल और उनकी पत्नी देउबाई पाटिल ने कराया था। समय के साथ इसमें कई बार बदलाव हुए। आज ये एक भव्य मंदिर के रूप में सामने है। मंदिर की दीवारों, शिखरों और खंभों पर की गई सुंदर नक्काशी इसे और भी दिव्य बना देती है।

**कैसा है मंदिर के अंदर का दृश्य?**

सिद्धिविनायक मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश

करते ही ऐसा लगता है मानो हम शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा की एक अलग ही दुनिया में आ गए हों। यहां भगवान गणेश जी मुख्य देवता के रूप में विराजमान हैं। प्रतिमा के चारों ओर फूलों, मालाओं और भक्तों द्वारा चढ़ाए गए प्रसाद से सजावट की जाती है। श्री सिद्धिविनायक की मूर्ति एक ही काले पत्थर से बड़ी बारीकी से बनाई गई है। इसकी ऊंचाई करीब ढाई फीट और चौड़ाई दो फीट है।

**प्रतिमा के हैं चार हाथ**

वहीं गणेश जी की सूंड दाहिनी ओर मुड़ी हुई है, जो बहुत दुर्लभ मानी जाती है। इस प्रतिमा के चार हाथ हैं। ऊपरी दाहिने हाथ में कमल, ऊपरी बाएं हाथ में परशु (कुल्हाड़ी), निचले दाहिने हाथ में जपमाला और निचले बाएं हाथ में मोदक से भरा कटोरा है। ये सभी चीजें शुभता और आशीर्वाद का प्रतीक मानी जाती हैं।

**माथे पर है तीसरी आंख**

प्रतिमा पर एक खास चीज और देखने को मिलती है और वो है एक सर्प पवित्र जनेऊ की तरह बाएं कंधे से दाहिनी ओर पेट तक लिपटा हुआ है। ये मूर्ति की आध्यात्मिकता और आकर्षण को और बढ़ा देता है। इसके अलावा माथे पर एक दिव्य आंख है, जो भगवान शिव की तीसरी आंख की याद दिलाती है। ये दिव्य ज्ञान और अंतर्दृष्टि बिखेरती है।

लोगों ने कए चमत्कारकि अनुभव गणेश जी के दोनों ओर रिद्धि और सिद्धि देवी भी विराजमान हैं, जिन्हें समृद्धि और सफलता की प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि इस मंदिर को सिद्धिविनायक गणपति मंदिर कहा जाता है। यहां आकर कई भक्तों ने अपने जीवन में चमत्कारिक अनुभव भी



## क्यों खास है बप्पा का ये मंदिर?

शेयर किए हैं। हर दिन मंदिर में मंत्रोच्चारण और अगरबत्ती की खुशबू वातावरण को और भी पावन बना देती है।

**समाजसेवा में योगदान**

ये मंदिर केवल पूजा का स्थान ही नहीं, बल्कि समाज सेवा का केंद्र भी है। यहां से शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन और ठहरने जैसी सुविधाएं जरूरतमंदों तक पहुंचाई जाती हैं।

**दर्शन और आरती का समय**

मंदिर में रोजाना अलग-अलग समय पर आरती और दर्शन होते हैं। उनके बारे में भी जानें-

काकड़ आरती (सुबह की आरती):

सुबह 5.30 बजे से 6.00 बजे तक  
दैनिक दर्शन: सुबह 6.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक और दोपहर 12.30 बजे से शाम 7.00 बजे तक

**धूप आरती: शाम 7.00 बजे**

रात की आरती: 7.30 बजे से 8.00 बजे तक  
शेज आरती (अंतिम आरती): रात 9.50 बजे

मंगलवार को यहां सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है। खास मौकों जैसे विनायक चतुर्थी, संकष्टी चतुर्थी, माघी गणेश जयंती और भाद्रपद गणेश चतुर्थी पर तो यहां भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ती है।

### मंदिर तक पहुंचने का रास्ता

सिद्धिविनायक मंदिर मुंबई के प्रभादेवी इलाके में है। आप यहां एऐसे पहुंच सकते हैं- रेल से: दादर रेलवे स्टेशन सबसे नजदीक है, जहां से मंदिर सिर्फ 15 मिनट की दूरी पर है। आप पैदल जा सकते हैं या टैक्सी/ऑटो ले सकते हैं।  
बस से: बसें भी दादर और प्रभादेवी के लिए आसानी से मिल जाती हैं।  
एंट्री गेट: मंदिर में दो गेट हैं सिद्धि गेट (फ्री एंट्री, भीड़ ज्यादा) और रिद्धि गेट (पेड एंट्री, लाइन छोटी)। बड़े-बुजुर्ग लोगों, दिव्यांगजनों, एनआरआई और प्रेग्नेंट महिलाओं या शिशु वाली माताओं के लिए यहां पर खास व्यवस्था है।

## 90 साल बाद खुलेगा उज्जैन की वैश्य टेकरी का राज, रडार से 50 फीट नीचे तक खोजी जाएंगी अशोककालीन संरचनाएं



**कोबरा डॉट कोम ।न्यूज**

**भोपाल।** उज्जैन की अशोककालीन वैश्य टेकरी में करीब 90 साल बाद इतिहास की परतें खोलने की तैयारी हो रही है। अब मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) भी इसके अध्ययन में शामिल होगा। मैनिट जमीन में बिना खोदाई किए रडार के माध्यम से यह पता लगाने का प्रयास करेगा कि सतह के नीचे क्या मौजूद है। इससे जमीन में करीब 50 फीट नीचे तक मौजूद ठोस संरचनाओं के संकेत मिलने की उम्मीद है और आगे कहां तथा किस हिस्से में खोदाई की जाए, इसकी रूपरेखा तैयार करने में मदद मिलेगी।

**सांची के स्तूप से भी बड़ा माना जाता है**

वैश्य टेकरी का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है, क्योंकि यहां मौजूद स्तूप को सांची के स्तूप से भी बड़ा माना जाता है। माना जाता है उज्जैन के गवर्नर रहने के दौरान सम्राट अशोक ने अपनी पत्नी देवी की याद में इसे

बनवाया था। पुराने संदर्भों के अनुसार, 1938-39 में हुई खोदाई में यहां बड़ी आकार की ईंटें और पंच-चिह्नित सिक्के मिले थे। उस समय स्तूप के आधार का व्यास करीब 350 फीट और ऊंचाई कम से कम 100 फीट आंकी गई थी। सांची के मुख्य स्तूप की ऊंचाई करीब 54 फीट है।

**ब्रिटिश काल में गैस रिसाव के कारण रुका था काम**

ब्रिटिश काल में वर्ष 1938 में यहां खोदाई शुरू की गई थी। इसके दौरान महत्वपूर्ण पुरातात्विक सामग्री सामने आई, लेकिन बाद में गैस के रिसाव के कारण काम रोकना पड़ा। अब भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) भोपाल मंडल ने इसके संरक्षण और खोदाई का प्रस्ताव अपने केंद्रीय कार्यालय को भेजा है। एएसआइ भोपाल मंडल के अधीक्षण पुरातत्वविद डा. शिवाकांत वाजपेयी का कहना है कि खोदाई के बाद ही वास्तविक स्थिति पता चलेगी। खोदाई के बाद राज्य सरकार इसे बुद्ध लोक की तरह विकसित

करने की तैयारी कर रही है। आयुक्त पुरातत्व संचालनालय एवं अभिलेखागार मदन कुमार नागरगोजे ने कहा कि रडार से अध्ययन के लिए मैनिट से प्रबंधन से बात हुई। एएसआइ की सहमति मिलने पर अध्ययन कराया जाएगा।

**कैसे काम करता है रडार**

ग्राउंड पेनिट्रेटिंग रडार (जीपीआर) को भू-भेदी रडार भी कहा जाता है। यह जमीन खोदे बिना उसके अंदर की संरचना का पता लगाने वाली तकनीक है। रडार यंत्र जमीन की सतह पर चलाया जाता है और उससे विद्युत चुंबकीय तरंगें जमीन के भीतर भेजी जाती हैं। जमीन के अंदर अलग-अलग पदार्थ, जैसे मिट्टी, पत्थर, ईंट, खाली जगह या दूसरी ठोस संरचनाएं इन तरंगों को अलग-अलग तरीके से परावर्तित करते हैं। रडार इन लौटने वाले संकेतों को दर्ज करता है। कंप्यूटर में इन संकेतों का विश्लेषण करने पर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि किस स्थान पर जमीन के नीचे कोई संरचना है और वह लगभग कितनी गहराई पर है।

## ‘समुद्र बीच में न होता, अरब देशों से चुनाव लड़ता नेहरू-गांधी परिवार’, एमपी के सीएम ने ली चुटकी



**कोबरा डॉट कोम ।न्यूज**

**आगर मालवा।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नेहरू-गांधी परिवार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और परिवार के अन्य सदस्यों ने कभी दिल्ली से चुनाव नहीं लड़ा, क्योंकि वहां के लोग उन्हें अच्छी तरह जानते थे। इसके बजाय उन्होंने उत्तर प्रदेश में रायबरेली और अमेठी जैसी सीटें चुनीं।

केरल के वायनाड से राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड़ा के चुनाव लड़ने पर तंज कसते हुए डॉ. यादव ने कहा कि यह परिवार अब चुनाव लड़ने के लिए उत्तर प्रदेश से आगे बढ़ गया है। कहा कि लोग कहते हैं कि समुद्र बीच में आ गया, वरना गांधी परिवार के ये नेता चुनाव लड़ने के लिए अरब देशों या किसी और जगह पहुंच जाते।

आगर-मालवा में रविवार को लाइली बहनों को धनराशि जारी करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि आज भारत नई तकनीक का इस्तेमाल करके लोकतंत्र में आगे बढ़ रहा है, लेकिन ‘भाईसाहब’ मानते ही नहीं हैं। भाई साहब क्या करें? उनका

नाम ही पप्पू है। अगर नाम पप्पू है, तो काम भी पप्पू जैसा ही करेंगे। क्या किया जा सकता है।

इंदौर में 19 सितंबर को प्रस्तावित राहुल गांधी के ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम पर भी मुख्यमंत्री ने निशाना साधा। कहा कि वे लोगों और युवाओं के बारे में बात करने के नाम पर ‘झूठ का पुलिंदा’ लेकर मध्य प्रदेश आ रहे हैं। कांग्रेस गलत जानकारी फैला रही है कि राज्य सरकार ‘छात्रों की गूंज’ कार्यक्रम की अनुमति नहीं दे रही है डॉ. यादव ने कहा कि राहुल गांधी को इसके बजाय मध्य प्रदेश की जनता से माफी मांगनी चाहिए कि पिछली कांग्रेस सरकारें डकैतों और नक्सलवाद की समस्या को रोकने में नाकाम रहीं।

**डकैतों और नक्सलियों का किया सफाया**

भाजपा सरकार ने राज्य से डकैतों और नक्सलियों, दोनों का सफाया कर दिया है। बोले कि अब तो ट्रंप भी कह रहे हैं कि जैसे मोदी जी ने आईडी कार्ड बनाए, वैसे अमेरिका में बनवाएं। यह हमारे इलेक्शन कमीशन का सम्मान है। डॉ. यादव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व पर न्यायपालिका और सशस्त्र बलों पर भी सवाल उठाता है।

# आपसी समझौते से 5.25 करोड़ के अवार्ड: लंबित मामलों में करोड़ों की राशि का हुआ सेटलमेंट, चेक बाउंस के 210 मामले सुलझे

ढोल-नगाड़ों के साथ घर लौटे 30 दंपती: परिवार न्यायालय में 93 मामलों का निराकरण, टूटने की कगार पर पहुंचे परिवारों में फिर बनी सहमति

नेशनल लोक अदालत में 1521 लंबित एवं 219 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण

देवास। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास कपिल मेहता के मार्गदर्शन में शनिवार को जिले के समस्त न्यायालयों में वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में कुल 1521 लंबित प्रकरणों तथा 219 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मेहता ने कहा कि “नेशनल लोक अदालत एक ऐसा यज्ञ है, जिसमें न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण अपने श्रम, समय एवं अनुभव की आहुति देकर समाज में न्याय एवं सौहार्द की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।” उन्होंने कहा कि लोक अदालत केवल लंबित प्रकरणों के निराकरण का माध्यम नहीं है, बल्कि पक्षकारों के मध्य आपसी सौहार्द, सहयोग एवं सामाजिक समरसता स्थापित करने का प्रभावी मंच भी है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों, न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं पक्षकारों से अधिकाधिक प्रकरणों का आपसी सहमति एवं राजीनामे के आधार पर निराकरण कराने का आह्वान किया। नेशनल लोक अदालत में परिवार न्यायालय, देवास ने विशेष उपलब्धि हासिल की। प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय जितेन्द्र सिंह कुशवाह द्वारा एकल बैठक में कुल 93 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इनमें 30 दंपतियों के पारिवारिक विवादों का आपसी सहमति एवं समझाइश के माध्यम से समाधान किया गया। विवादों के समाप्त होने के बाद 30 दंपति प्रसन्नता एवं उल्लास के वातावरण में ढोल-नगाड़ों के साथ अपने-अपने घरों के लिए रवाना हुए। यह दृश्य लोक अदालत की मूल भावना “विवाद का अंत, संबंधों की पुनः शुरुआत” को साकार करता नजर आया।

पारिवारिक विवादों के निराकरण में पक्षकारों की भावनाओं, पारिवारिक परिस्थितियों एवं आपसी संबंधों को ध्यान में रखते हुए समझाइश एवं सहमति के माध्यम से समाधान का प्रयास किया गया।

जनसहयोग से न्यायालय परिसर को मिली समर्पित एंबुलेंस

न्यायालय परिसर में पक्षकारों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों अथवा अन्य व्यक्तियों की आकस्मिक तबीयत बिगड़ने की



स्थिति में तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से न्यायिक परिवार एवं अधिवक्ता समुदाय के सहयोग से समर्पित एंबुलेंस की व्यवस्था की गई।न्यायाधीशगण द्वारा 51 हजार रुपये तथा कर्मचारीगण द्वारा 24 हजार 100 रुपये का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया। एंबुलेंस में प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक आपातकालीन चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था की गई है। यह सेवा न्यायालय परिसर में आने वाले पक्षकारों, आम नागरिकों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालयीन कर्मचारियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध रहेगी।इस अवसर पर कहा गया कि न्यायालय का दायित्व केवल न्याय प्रदान करना ही नहीं, बल्कि आवश्यकता के समय मानवीय संवेदनाओं के साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना भी है। न्यायाधीशों, कर्मचारियों एवं अधिवक्ताओं के सामूहिक सहयोग से शुरू की गई यह सेवा इसी भावना का प्रतीक है।

35 न्यायिक खंडपीठों में हुई लोक अदालत

नेशनल लोक अदालत में सिविल, आपराधिक, विद्युत अधिनियम, नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट (चेक बाउंस), श्रम, मोटर दुर्घटना दावा, बीएसएनएल सहित विभिन्न विषयों के प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला मुख्यालय देवास सहित तहसील स्तर पर सोनकच्छ, कन्नौद, खातेगांव, टोंकखुर्द एवं बागली में कुल 35 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कपिल मेहता ने विद्युत कंपनी, नगर निगम, बैंक, बीएसएनएल एवं बीमा कंपनियों सहित विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर अधिकाधिक प्रकरणों का आपसी सहमति एवं राजीनामे के आधार पर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न न्यायिक खंडपीठों का भ्रमण कर कार्यवाही का अवलोकन भी किया।

## मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ को रेलवे की बड़ी सौगात, 4,254 करोड़ से बिछेगी 288 किमी नई रेल लाइन, बढ़ेगा पर्यटन और रोजगार

भोपाल। केंद्र सरकार की कैबिनेट बैठक में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मोदी कैबिनेट ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (SECR) की दो प्रमुख मल्टीट्रैकिंग रेल परियोजनाओं को अपनी आधिकारिक स्वीकृति दे दी है। कुल 4,254 करोड़ रुपये की लागत से 288 किलोमीटर लंबी दो नई रेल लाइनों कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन का निर्माण किया जाएगा। इन दोनों परियोजनाओं को वर्ष 2029-30 तक पूर्ण करने की समय-सीमा

निर्धारित की गई है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर की गई इस योजना के तहत 201 किलोमीटर लंबी कटनी-पेंड्रा रोड चौथी रेल लाइन के निर्माण पर लगभग 2,975 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। इसके साथ ही 87 किलोमीटर लंबी बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी रेल लाइन का निर्माण कार्य 1,279 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। इन नई रेल लाइनों के अस्तित्व में आने से मध्य प्रदेश के शहरोल और अनूपपुर जिलों से छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर और दुर्ग तक रेल आवागमन अत्यधिक सुगम हो जाएगा।

भोपाल। नजीराबाद के रुनाहा जोड़ के पास किसान इंदल सिंह गुर्जर पर हुए जानलेवा हमले की वजह तीन साल पुराना प्लाट विवाद निकला। पुलिस के अनुसार किसान पुरानी प्लाट की रसीद दिखाकर दोबारा प्लाट देने का दबाव बना रहा था। इससे परेशान रुनाहा के पंचायत सचिव और कॉलोनाइजर जितेंद्र श्रीवास्तव ने उसे रास्ते से हटाने के लिए 50 हजार रुपये की सुपारी दे दी। इसके बाद चार बदमाशों ने किसान को घेरकर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से बुरी तरह

पीटा।पुलिस ने पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो फरार हैं। एसडीओपी बैरसिया वैशाली कराहलिया ने बताया कि बिजावन खुर्द निवासी इंदल सिंह ने आठ सितंबर को शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि वह बाइक से गांव लौट रहे थे। रुनाहा जोड़ के पास सफेद कार सवार चार लोगों ने रास्ता पृछने के बहाने उन्हें रोका और अचानक हमला कर दिया। मारपीट में उनके हाथ-पैर में गंभीर चोटें आईं और कई फ्रैक्चर हुए।

जोच में सामने आया कि

## भोपाल के शाहजहांनाबाद में खूनी गैंगवार, भाई पर हमले का बदला लेने के लिए हिस्ट्रीशीटर का हाथ काटा

भोपाल। शाहजहांनाबाद में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात बदला लेने एक बदमाश पर दूसरी गैंग ने हमला कर दिया। कुख्यात बदमाश भूरा हड्डी और उसकी गैंग ने रात करीब सवा एक बजे हथियारों से लैस बदमाश गुंडा लिस्ट में शामिल अरशद बब्बा (27) के घर पहुंचे। गेट खुलते ही भूरा हड्डी ने तलवार से उस पर हमला कर दिया। वार से अरशद के हाथ की हड्डी तक कट गई।

घायल ने जैसे-तैसे खुद को बचाया

घायल ने किसी तरह घर का गेट बंद कर खुद को बचाया। इसके बाद बदमाश करीब आधे घंटे तक बाहर गाली-गलौज और हंगामा करते रहे। मदर इंडिया कालोनी निवासी अरशद के खिलाफ मारपीट और अड़ीबाजी समेत करीब एक दर्जन अपराध दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार वारदात के समय

वह घर में अकेला था। भूरा हड्डी अपने साथियों तोफीक शूटर, माया बच्चा, मन्नू, फैजल, वसीम, आदिल अड्डू, टिकल और अन्य बदमाशों के साथ वहां पहुंचा था।

बदले की भावना में अरशद बना शिकार

पुलिस ने घायल अरशद को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस के अनुसार कुछ दिन पहले अरशद के छोटे भाई ने भूरा हड्डी के छोटे भाई पर छुरी से हमला किया था। इसी का बदला लेने के लिए गैंग ने अरशद को निशाना बनाया। भूरा हड्डी पर हत्या, हत्या के प्रयास और मारपीट समेत करीब 40, जबकि तोफीक शूटर पर करीब 20 अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने विशाल, अंकित समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अन्य की तलाश जारी है।

## प्रेमी से मिलने भोपाल आई जर्मन महिला का खत्म हुआ वीजा, दो दिन स्टेशन पर भटकती रही, भोपाल पुलिस ने दी पनाह

जर्मनी से अपनी बेटी के साथ भोपाल आई एक महिला का टूरिस्ट वीजा खत्म होने के बाद पुलिस ने उसे गौरवी सेंटर भेज दिया। महिला की पहचान डायट्रिक बर्कवाल के रूप में हुई है। वह पिछले दो दिनों से रेलवे स्टेशन के आसपास घूम रही थी। स्टेशन कर्मचारियों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला व उसकी बेटी को अपने संरक्षण में लिया।

महिला की फेसबुक के माध्यम से हुई थी दोस्ती

पुलिस के अनुसार महिला की वर्ष 2011 में जबलपुर निवासी एक युवक से फेसबुक के माध्यम से दोस्ती हुई थी। इसके बाद युवक के बुलाने पर वह भारत आई थी। वर्ष 2025 में महिला अपनी बेटी के साथ दोबारा भारत आईं। दोनों

जर्मनी से भारत पहुंची थीं और यहां आने के बाद जबलपुर निवासी युवक उनके साथ घूमने जाता था। पुलिस जांच में सामने आया कि महिला और उसकी बेटी का टूरिस्ट वीजा अब समाप्त हो चुका है।

पुलिस ने मां-बेटी को गौरवी सेंटर भेजा

इसके बाद महिला थाना पुलिस ने जबलपुर निवासी युवक से पूछताछ की और महिला व उसकी बेटी को गौरवी सेंटर भेज दिया। पुलिस ने जर्मनी एंबेसी को भी मामले की जानकारी देते हुए पत्र लिखा है। आसूचना एवं सुरक्षा के प्रभारी डीसीपी विकास शहवाल ने बताया कि महिला और उसकी बेटी को वापस जर्मनी भेजने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके लिए संबंधित विभागों और जर्मनी एंबेसी के साथ समन्वय किया जा रहा है।

सात करोड़ रुपये के आभूषणों से हुआ भगवान खजराना गणेश का श्रृंगार, सवा लाख मोदक का लगेगा भोग



कोबर डॉट कोम ।न्यूज

**इंदौर।** गणेश चतुर्थी पर आज शहर के पूजा पंडालों से लेकर घरों में भगवान श्री गणेश की स्थापना हो रही है। इस बार गणेशोत्सव सामान्य 10 दिनों के बजाय 12 दिनों तक धूमधाम से मनाया जाएगा। चतुर्थी से चतुर्दशी तक का क्रम 14 से 25 सितंबर तक रहेगा। यानी पूरे 12 दिन भक्त बप्पा की आराधना करेंगे। इस मौके पर विभिन्न मार्गों से ढोल-नगाड़ों के साथ चल समारोह भी निकाले जा रहे हैं। खजराना मंदिर के मुख्य पुजारी पं. अशोक भट्ट ने बताया कि परंपरानुसार गणेश चतुर्थी के पूर्व रात्रि को भगवान खजराना गणेशजी का विशेष श्रृंगार किया गया। इसमें भगवान को करीब सात करोड़ के आभूषणों से सजाया गया।श्रृंगार में भगवान गणेशजी का स्वर्ण मुकुट, मां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ के स्वर्ण मुकुट, स्वर्ण चंद्रिका, स्वर्ण छत्र से पूरे परिवार को सजाया गया। इसके पूर्व गणेशजी का पंचामृत से अभिषेक किया गया। सुबह हीरे जड़ित नवीन नेत्र धारण कराए गए। पूरे मंदिर को फूलों से सजाकर विद्युत सज्जा की गई है। उधर, भक्त मंडल की ओर से गणेश चतुर्थी पर सुबह 10 बजे सवा लाख मोदक का भोग अर्पित किया जाएगा। इसके अलावा प्रतिदिन खजराना गणेश को विभिन्न किस्म के लड्डुओं का भोग अर्पित किया जाएगा।

**भोपाल के हिंदी विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले घटे, एमए हिंदी में एक छात्र; सात पाठ्यक्रमों में दाखिला शून्य**

**भोपाल।** हिंदी भाषा और भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्ष 2011 में भोपाल में स्थापित अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय में हिंदी अध्ययन की स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। यहां एमए हिंदी में केवल एक विद्यार्थी ही अध्ययनरत है।स्थापना के बाद नौ साल तक पुराने विधानसभा भवन (मिंटो हाल) से इस विश्वविद्यालय को अक्टूबर 2020 में विदिशा रोड पर सूखी सेवनिया में पांच करोड़ की लागत से तैयार हुए नवनिर्मित परिसर में स्थानांतरित किया गया और उसके बाद नियमित शिक्षकों की नियुक्ति, छात्रावास और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। इसके बावजूद विद्यार्थियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई। इस विश्वविद्यालय को सरकार हर साल करीब 3.50 करोड़ रुपये का अनुदान देती है, लेकिन यह अपनी साख नहीं बना सका। इसका ही परिणाम है कि पिछले 15 वर्षों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 5207 विद्यार्थियों ने ही प्रवेश लिया। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 4280 सीटों पर सिर्फ 234 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। विश्वविद्यालय में 27 सहायक प्राध्यापक के पद स्वीकृत हैं। इनमें से 18 पदों के लिए वर्ष 2023 में भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई थी, लेकिन केवल 13 की नियुक्ति हो पाई। शेष पदों पर अतिथि शिक्षकों को काम मिला है। इनको मिलाकर शिक्षकों की संख्या केवल 35 है।

**खंडवा में जंगल में अतिक्रमण की लड़ाई संघर्ष में बदली, सरपंच पति की हत्या; तीन आरोपी गिरफ्तार**

**खंडवा।** जंगल काटने और वनभूमि पर अतिक्रमण के विरोध की रंजिश ने बोरखेड़ा खुर्द में खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। पिपलोद थाना क्षेत्र में सरपंच पति 56 वर्षीय रूमसिंग पुत्र बंगड़ा की हत्या के मामले का पुलिस ने रविवार को खुलासा कर दिया। पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो फरार हैं। पुलिस के अनुसार जुलाई में वन विभाग की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान कुछ मकान तोड़े गए थे।

अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी अग्रिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की

## “हम सब बराबर, बराबर हमारे अधिकार” के ध्येय वाक्य को चरितार्थ कर रहा है मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग के 32वें स्थापना दिवस समारोह का किया शुभारंभ

कोबर डॉट कोम ।न्यूज

**भोपाल,जसं।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारतीय संस्कृति में सदैव मानवाधिकार आयोग का ध्येय वाक्य “हम सब बराबर, बराबर हमारे अधिकार” चरितार्थ होता रहा है। हमारे वेद वाक्य में यत् पिंडे तत् ब्रह्मांडे अर्थात् जैसे मुझ में है, वैसा ही ब्रह्मांड में है, का भाव समाहित है। हमने सदैव प्रकृति सहित सभी के साथ यही भाव रखा है। सनातन संस्कृति में मनुष्य योनि को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। हमारे पुण्य कर्म मानव जाति के कल्याण के लिए हमें प्रेरित करते हैं। प्रसन्नता और गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग पिछले तीन दशकों से अपने ध्येय वाक्य को चरितार्थ कर रहा है। यह वाक्य हमारे लोकतंत्र की उस मूलभावना का प्रतीक है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को समान गरिमा, समान अधिकार और न्याय का समान अवसर प्राप्त हो। मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग की तीन दशकों की यात्रा मानवाधिकारों के संरक्षण, संवर्धन और मानवीय गरिमा की रक्षा के लिए समर्पित रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग के 32वें स्थापना दिवस पर प्रशासन अकादमी आरसीबीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित

कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में स्मारिका, आयोग के त्रैमासिक न्यूज लेटर और आयोग की डायरी का विमोचन भी किया। मध्यप्रदेश मानवाधिकार आयोग द्वारा इस अवसर पर अनुसूचित जनजाति वर्ग के मानवाधिकारों के संरक्षण और शासकीय योजनाओं की उन तक पहुंच विषय पर संगोष्ठी भी आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मिशन कर्मयोगी अंतर्गत श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मिशन कर्मयोगी स्थापना सप्ताह में जनजातीय कार्य विभाग ने प्रदेश के सभी विभागों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आयोग ने यह विश्वास मजबूत किया है कि लोकतंत्र में अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की आवाज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी अग्रिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की है। मानवता यही है कि सभी के लिए समानता के भाव के साथ कार्य किया जाये। राज्य मानवाधिकार आयोग निष्पक्षता और अपने मूल्यों के आधार पर कार्य करता रहेगा। प्रदेशवासियों की सुरक्षा और सम्मान राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेशवासियों की सेवा में सक्रिय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी भारतीय संविधान में निहित लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं।

विश्व हिन्दी दिवस आज

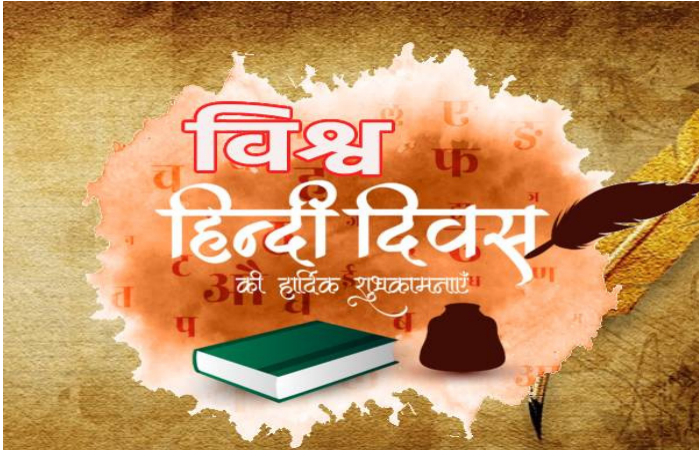
## मप्र हिन्दी में एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ करने वाला पहला राज्य

कोबर डॉट कोम ।न्यूज

**भोपाल,जसं।** स्टीफन स्पेंडर की तरह कहें तो सर्जना के स्तर पर भाषा, अपनी भाषा एक आध्यात्मिक गतिविधि है या टाल्सटाय के शब्दों में यहाँ आध्यात्मिक सक्रियता के स्रोत प्रवाहित होते हैं या मुक्तिबोध के शब्दों में ‘स्व’ से ऊपर उठना, अन्य के मर्म में प्रवेश करना मनुष्यता का सबसे बड़ा लक्षण है। और यह लक्षण हिन्दी में शब्द बनते ही दिखाई देने लगता है। आकार, अक्षर और ध्वनि का एकाकार जिस भाषा में हुआ वह सिर्फ हिन्दी है।

इसलिए मैं गिलक्राइस्ट जैसे लोगों का सख्त विरोधी हूँ जो हिन्दी को गंवारू और हिन्दुओं की भाषा कहता था। ‘गार्सा-द-तासी’ ने लिखा था हिन्दी में हिन्दू धर्म का आभास है। इसलिए यदि हिन्दी के लोकवृत्त को समझना हो तो भक्ति आंदोलन को समझना जरूरी है। जब कबीर कहते हैं ‘कबीरा खड़ा बाजार में, लिए लुकाठी हाथ’ तो वो बाजार का नहीं उसकी माया का विरोध कर रहे हैं या विद्यापति की उम्मीद ‘बिपत अपत तरु पाओल रे पुन नव नव पात’। यह हिन्दी का संदेश है कि जो पते सूख गए हैं तो उनमें फिर नए पते आएंगे। हमारे देश में उदारवाद के पगचिन्ह भक्तिकाल में साफ-साफ दिखाई देते हैं। आखिर मथुरा में आचार्य वल्लभ पहुंचे, चैतन्य पहुंचे और इन सभी ने सामुदायिक खाइयों को पाटने का काम किया।

हिन्दी की पाचनशक्ति अद्भुत है। इसमें दुनियाभर की भाषाओं के शब्द हैं और वे



अतिथि शब्द नहीं है बल्कि आत्मसात कर लिए गए शब्द हैं। ऐसा दुनिया की कोई भाषा नहीं कर सकी। अंग्रेजी भी नहीं जिसकी सर्वाधिक डुग्गी हमारे देश में पीटी जाती है। अंग्रेजी से पहले वहाँ लैटिन और ग्रीक बोली जाती थी यही अभिजात्य वर्ग की भाषा थी। अंग्रेजी उस समय अभिजात्यों की नहीं हाशिए पर जी रहे गरीबों और मजदूरों की भाषा थी। उनके शब्द लिए गए मगर अंग्रेजी उन्हें आत्मसात नहीं कर पायी। जैसे जॉन कीट्स की एक कविता का शीर्षक है “ला बेले डेम सैंस मर्सी” यानि एक दयाहीन सुंदर महिला यह शीर्षक 15वीं शताब्दी का है। अंग्रेजी में यह कविता बेहद चर्चित है, जिसमें एक परी शूरवीर को सम्मोहित करके अप्रिय भाग्य का श्राप देती है। हिंदी सिर्फ एक भाषा ही नहीं भारत की संस्कृति है। यह उदार और निर्माणात्मक में सुन भर लीजिए

तो हिन्दी स्मृति में बसने लगती है।

हमारे यशस्वी और श्रद्धेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की पंक्तियां है- “आसमान में सिर उठाकर, घने बादलों को चीरकर, रोशनी का संकल्प लें, अभी तो सूरज उगा है। दृढ़ निश्चय के साथ चलकर, हर मुश्किल को पार कर घोर अंधेरे को मिटाने, अभी तो सूरज उगा है।”

आज सूरदास कोलंबिया में, मीरा अमेरिका के कई बड़े विश्वविद्यालयों में पढ़ाई जा रही हैं। जायसी पढ़ाए जा रहे हैं। हिन्दी का अर्थ ही नहीं शब्द-शब्द श्लोक है। जो बोलते ही सूखे गेहूँ के दाने सा खनकता है। हिन्दी के निकट बैठकर महात्मा गांधी दिखाई देने लगते हैं अर्थात हर गरीब मन का दर्द जहां नव गीत में ढलने लगे वह हमारी भाषा है हिंदी।

देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र

मोदी जी का निरंतर प्रयास रहा है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था भारतीय भाषाओं, भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय प्रतिभा की शक्ति के अनुरूप आगे बढ़े। लंबे समय तक अंग्रेजी को उच्च शिक्षा और विशेषकर चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा का प्रमुख माध्यम माना जाता रहा। इसका परिणाम यह हुआ कि ग्रामीण, गरीब, किसान और सामान्य परिवारों से आने वाले अनेक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए उच्च स्तरीय शिक्षा तक पहुंच का मार्ग अपेक्षाकृत कठिन बना रहा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने शिक्षा में भारतीय भाषाओं के महत्व को नई दिशा दी। यह केवल भाषा परिवर्तन का विषय नहीं है बल्कि यह शिक्षा को अधिक समावेशी, सहज और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की व्यापक सोच का हिस्सा बना।

प्रधानमंत्री जी के इसी संकल्प को धरातल पर उतारते हुए मध्यप्रदेश ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल की। मुझे इस बात का गर्व है कि चिकित्सा शिक्षा मंत्री के रूप में कार्य करते हुए हम मध्यप्रदेश का नाम उस ऐतिहासिक उपलब्धि से जोड़ने में सफल रहे, जब मध्यप्रदेश ने हिन्दी माध्यम में एमबीबीएस की पढ़ाई प्रारंभ करने वाला देश का पहला राज्य होने का गौरव हासिल किया। यह केवल मध्यप्रदेश के लिए उपलब्धि नहीं थी बल्कि भारतीय भाषाओं के प्रति विश्वास को मजबूत करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक हिमानी रैकवार द्वारा प्रियंका ऑफसेट पेट्रोल पंप के पास, पी.एन.टी. चौराहा, भोपाल, मध्य प्रदेश से मुद्रित व ई.एम.352, नेहरू नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संपादक: हिमानी रैकवार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय ही रहेगा।)

